

WEST BENGAL STATE UNIVERSITY

B.A. General PART-I Examinations, 2017

SANSKRIT-GENERAL

PAPER-SANG-I

Time Allotted: 3 Hours

Full Marks: 100

The figures in the margin indicate full marks.

Candidates should answer in their own words and adhere to the word limit as practicable.

Unit-I

Marks - 10

1. (a) Define and illustrate any *three* from the following metres:

 $2 \times 3 = 6$

নিম্নলিখিত যে-কোনো তিনটি ছন্দের লক্ষণসহ উদাহরণ দাওঃ भुजङ्गप्रयात, रुचिरा, उपेन्द्रवज्रा, मालिनी, स्रग्धरा।

(b) Scan and define any two from the following metres:

 $2 \times 2 = 4$

- নিম্নলিখিত যে-কোনো দুটির গণবিভাগ পূর্বক ছন্দ নির্ণয় করোঃ
- (ii) नवपलाशपलाशवनं पुरः।

(i) प्रणमामि शिवं शिवकल्पतरुम्।

- (iii) मुक्तेषु रश्मिषु निरायतपूर्वकाया।
- (iv) कश्चित् कान्ता विरहगुरुणा स्वाधिकारप्रमत्तः।

Unit-II

Marks - 10

2. (a) Decline any *five* from the following:

নিম্নলিখিত যে-কোনো পাঁচটি শব্দরূপ নির্ণয় করোঃ

 $1 \times 5 = 5$

 $1 \times 5 = 5$

- (i) साधु in चतुर्थी एकवचन।
- (ii) युष्मद् in तृतीया एकवचन।
- (iii) तद् in (क्लीवलिङ्ग) चतुर्थी बहुवचन।
- (iv) भूपति in षष्ठी एकवचन।
- (v) नर in सप्तमी वहुवचन।
- (vi) लता in सप्तमी वह्वचन।
- (vii) पितृ in षष्ठी एकवचन।
- (viii) वारि in द्वितीया द्विवचन।
- (b) Conjugate any *five* from the following:
 নিম্নলিখিত যে-কোনো পাঁচটি ধাতুরূপ লেখোঃ
 - (i) √अस् in लृट् 1st person plural.
 - (ii) √गम् in लोट् 2nd person singular.
 - (iii) √कृ in लट् 3rd person plural.
 - (iv) √सेव् in लङ् 1st person plural.
 - (v) √हन् in लट् 3rd person plural.
 - (vi) √दृश् in विधिलिङ् 1st person singular.
 - (vii) √म in लूट् 2nd person dual.
 - (viii) √पठ् in विधिलिङ् 3rd person plural.

Unit-III

Marks – 40

3. (a) Narrate the episode of Brahmacārin as you find in the first act of 'Svapnavāsavadattam' and discuss its dramatic significance. 'স্বপ্নবাসবদন্তম্t'নাটকে প্রথম অস্ক অনুসারে ব্রহ্মচারীবৃত্তান্ত বর্ণনা করো এবং তার নাটকীয় তাৎপর্য আলোচনা করো।

OR/অথবা

Explain the significance of the title of the drama 'Svpnavāsavadattam'. 'স্বপ্পবাসবদন্তম্' নাটকের নামকরণের তাৎপর্য্য ব্যাখ্যা করো।

OR/অথবা

Analyse the special traits of the character of Udayana. উদযুদ্ধের চরিত্রের বৈশিষ্ট্য বিশ্লেষণ করো।

- (b) Translate into Bengali or English any *one* from the following:
 নিম্নলিখিত যে-কোনো একটি শ্লোক বাংলায় অথবা ইংরাজীতে অনুবাদ করোঃ
 - (i) तीर्थोदकानि समिधः कुसुमानि दर्भान् स्वैरं वनादुपनयन्तु तपोधनानि। धर्मप्रिया नृपसुता न हि धर्मपीडा— मिच्छेत् तपस्विषु कुलव्रतमेतदस्याः॥
 - (ii) नैवेदानीं तादृशाश्चक्रवाका नैवाप्यन्ये स्त्रीविशेषैर्वियुक्ताः। धन्या सा स्त्री यां तथा वेत्ति भर्ता भर्तृस्नेहात् या हि दग्धाप्यदग्घा॥

OR/অথবা

Write short notes on any two from the following:

निम्ननिश्विতश्चनित मर्था (य-काना मृष्टित সংক্ষিপ্ত টীকা লেখোঃ

वसन्तक, समुद्रगृह, लावाणक, दर्शक।

 $3 \times 2 = 6$

12

Turn Over

- (c) Explain with reference to the context any *one* from the following Sloka:
 নিম্নলিখিত যে-কোনো একটি শ্লোকের সপ্রসঙ্গ ব্যাখ্যা করোঃ
 - (i) पूर्वं त्वयाप्यभिमतं गतमेवमासी— च्छलाघ्यं गमिष्यसि पुनर्विजयेन भर्तुः। कालक्रमेण जगतः परिवर्तमाना चक्रार—पङक्तिरिव गच्छति भाग्यपङक्तिः॥
 - (ii) मिथ्योन्मादैश्च युद्धैश्च शास्त्रदृष्टैश्च मन्त्रितैः।भवद्यत्तैः खलु वयं मज्जमानाः समुद्धृताः॥
- 4. (a) Who is Śukanāsa? Write in your own words the advice delivered by him. শুকনাস কে? শুকনাসের উপদেশ নিজের ভাষায় বর্ণনা করো।

OR/অথবা

Analyse the merits and demerits of Bāṇabhaṭṭa's style. বাণভট্টের রচনাশৈলীর গুণ ও দোষসমূহের বিশ্লেষণ করো।

- (b) Translate into Bengali or English any *one* from the following:
- নিম্নলিখিত যে-কোনো *একটি* অনুচ্ছেদের বাংলা অথবা ইংরাজীতে অনুবাদ করোঃ
 - (i) दर्शनप्रदानमप्यनुग्रहं गणयन्ति, दृष्टिपातमुपकारपक्षे स्थापयन्ति, संभाषणमपि संविभागमध्ये कुर्वन्ति, आज्ञामपि वरप्रदानं मन्यन्ते, स्पर्शमपि पावनमाकलयन्ति।
 - (ii)द्यूतं विनोद इति, परदाराभिगमनं वैदग्ध्यमिति, मृगया श्रम इति, पानं विलास इति, प्रमत्तता शौर्य्यमिति, स्वदारपरित्यागः अव्यसनितेति, गुरुवचनावधीरणमपरप्रणेयत्वमिति।

B.A./Part-I/Gen./SANG-I/2017

Unit-IV

Marks - 15

5. (a) Account for the case-endings in any six from the following underlined $1 \times 6 = 6$ words:

নিম্নরেখাঙ্কিত যে-কোনো ছয়টি পদের কারক-বিভক্তি নির্ণয় করোঃ

- (i) छात्रः <u>मासं</u> व्याकरणम् अधीते।
- (ii) मोदकाः शिशवे रोचते।
- (iii) विद्वान् <u>सर्वेषां</u> पूजितः।
- (iv) हर्षेण नृत्यति वाला।
- (v) जनः चौरात् विभेति।
- (vi) सूर्य्ये उदिते पद्मं प्रकाशते।
- (vii) शिशुः <u>शय्याम</u>् अधिशेते।
- (viii) <u>छात्रेण</u> सह आगच्छति शिक्षकः।
- (ix) साधकः मुक्तये हरिं भजति।
- (x) <u>जपम</u> अनु प्रावर्षत्।
- (b) Illustrate the uses of any two from the following: নিম্নলিখিত যে-কোনো দুটি প্রয়োগের উদাহরণ দাওঃ

- (i) क्रियाविशेषणे द्वितीया।
- (ii) नम:-शब्दयोगे चतुर्थी।
- (iii) येनाङ्गविकारः।
- (iv) अवच्छेदे सप्तमी।
- (c) Join in Sandhi any two from the following: নিম্নলিখিত যে-কোনো দৃটির সন্ধি করোঃ
 - (i) वाक् + ईशः, (ii) पुनः + अपि, (iii) रबौ + उदिते, (iv) पतत् + अञ्जलिः।

 $1 \times 2 = 2$

- (d) Disjoin in Sandhi any *three* from the following: নিম্নলিখিত যে-কোনো *তিনটি* সন্ধি বিচ্ছেদ করোঃ
 - (i) शयनम्
 - (ii) हसन्नागतः
 - (iii) सोऽपि
 - (iv) नीरोगः
 - (v) यद्यपि
 - (vi) मनीषा।

Unit-V

Marks - 25

6. Translate the following passage into Sanskrit:

নিম্নলিখিত অনুচ্ছেদটি সংস্কৃতে অনুবাদ করোঃ

Iswarchandra Vidyasagar was born in a poor Brahmin family in the village of Birsinha in the district of Midnapore. His father brought him to Calcutta to give him education.

ঈশ্বরচন্দ্র বিদ্যাসাগর মেদিনীপুর জেলার বীরসিংহ গ্রামে এক দরিদ্র ব্রাহ্মণ পরিবারে জন্মগ্রহণ করেন। তাঁর পিতা শিক্ষাদানের জন্য তাঁকে কলকাতায় নিয়ে আসেন।

OR/অথবা

King Uttamapada had two wives – Suniti and Suruci. Suruci was younger. Suniti's son was Dhruva. One day Dhruva came to his father but the king ignored him.

রাজা উত্তমপাদের সুনীতি ও সুরুচি নামে দুই পত্নী ছিল। সুরুচি ছিল কনিষ্ঠ। সুনীতির পুত্র ধ্রুব। একদিন ধ্রুব তার পিতার কাছে এল কিন্তু রাজা তাকে উপেক্ষা করলেন। 10

 $1 \times 3 = 3$

B.A./Part-I/Gen./SANG-I/2017

7. Read the following passage and answer the questions given below in Sanskrit.

(i) कीदशी रमणी कस्य समीपमागच्छत ?

निम्निनिशेठ अनुष्ट्रिष्णि थए। এवः श्रमेख श्रमेखनित উত্তর সংস্কৃতে দাওঃ
एकदा काचित् दरिद्रा रमणी बुद्धस्य समीपमागत्य मृतपुत्रस्य पुनर्जीवनाय तस्मात्
किश्चिद् भेषजं प्रार्थयामास। स तामुक्तवान् स तस्याः पुत्रं जीवितं करिष्यति, यदि सा
तादृशात् गृहात् मुन्टिपरिमितं सर्षपमानयेद्, यस्मिन् गृहे कदापि कस्यापि च
मृत्युर्नाभवत् इति। जोकार्ता जननी द्वारात् द्वारान्तरं गच्छन्ती अपि तादृशं गृहं न
प्राप्तवती। विषण्णहृदया सा प्रत्यावृत्ता। तदा बुद्धः तां शोकत्यागाय उपदिदेश, यतो
मृत्युः सर्वेषां ध्रव एव।

(1) 418 (1)	
(ii) स तस्मात् किमर्थं कि याचते स्म ?	
(iii) बुद्धः किमुक्तवान् ?	
(iv) शोकार्ता जननी किं कृतवती ?	

2

2

(v) बुद्धः तां किमुपदिष्टवान् ?